RNI No.: RJHIN/26/A5495
Mob.:9352862449, 8058314720

निष्पक्ष निर्भीक जनहितकारी पत्रकारिता

www.brahmoskanayasavera.com
E-mail : brahmoskanayaserver@gmail.com

ब्रह्मोस का नया सवेरा

हम बनेंगे जनता की आवाज

वर्ष - 01 | अंक - 1 | जयपुर,बुधवार, 1 जुलाई 2026 | कुल पृष्ठ: 4 | BrahmoskaNayaSavera

राजस्थान में कब पहुंचेगा मानसून?

राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब रफ्तार पकड़ने वाली हैं। मौसम विभाग के अनुसार 2 जुलाई से पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बारिश का दौर तेज होने की संभावना है। 2 से 5 जुलाई के बीच कई जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है, जबकि कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। 1 जुलाई से पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी, जबकि 2 जुलाई के बाद मानसून और अधिक सक्रिय हो सकता है। इस दौरान कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तेज मेघगर्जन के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार जयपुर, भरतपुर, कोटा और बीकानेर संभाग के कई इलाकों में भी अगले कुछ दिनों तक मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश का दौर बना रह सकता है। वहीं 30 जून और 1 जुलाई से बीकानेर संभाग तथा शेखावाटी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भी आंधी और बारिश की गतिविधियां शुरू होने के संकेत हैं।

दूसरी ओर पश्चिमी राजस्थान में फिलहाल गर्मी और उमस से राहत मिलने के आसार कम हैं। जोधपुर और

बीकानेर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में अगले दो से तीन दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। यहां अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। नमी बढ़ने के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का भी सामना करना पड़ सकता है।

बीते 24 घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 94 मिमी बारिश प्रतापगढ़ जिले के अरनोद में रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण दक्षिण-पूर्वी जिलों में मौसम सुहावना बना रहा। वहीं पश्चिमी राजस्थान में केवल छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हुई। श्रीगंगानगर राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,

यमुना जल समझौते से राजस्थान को हर साल 577 एमसीएम पानी

शेखावाटी क्षेत्र तक यमुना का पानी पहुंचाने की तीन दशक पुरानी मांग आखिरकार धरातल पर उतरने की दिशा में बढ़ गई है। राजस्थान और हरियाणा सरकारों ने सोमवार को अंतरराज्यीय यमुना जल परियोजना के क्रियान्वयन समझौते (एमओए) पर हस्ताक्षर कर दिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुए इस समझौते के साथ ही राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजनाओं में से एक का रास्ता साफ हो गया है।

समझौते के तहत राजस्थान को हर वर्ष यमुना जल में अपने हिस्से के 577 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी की आपूर्ति की जाएगी। यह पानी हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 3.6 मीटर से अधिक व्यास वाली तीन भूमिगत पाइपलाइनों के जरिए सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों तक पहुंचाया जाएगा। इससे हरियाणा के भिवानी और फतेहाबाद जिलों की पेयजल व्यवस्था

को भी मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे करीब तीन दशक पुराने विवाद का समाधान बताते हुए कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ÷सहकारी संघवाद÷ का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों के सहयोग से लंबे समय से लंबित अंतरराज्यीय मुद्दों का समाधान संभव है और यह समझौता भविष्य की जल साझेदारी परियोजनाओं के लिए भी मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसे शेखावाटी क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह 32 वर्ष पुरानी मांग की पूर्ति है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को सबसे पहले वर्ष 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत ने आगे बढ़ाया था, लेकिन बाद में यह वर्षों तक अटकी रही। भाजपा सरकार ने सत्ता संभालने के बाद 17 फरवरी 2024 को केंद्र और हरियाणा सरकार के साथ त्रिपक्षीय एमओयू कर परियोजना को फिर गति दी और अब एमओए के जरिए इसे क्रियान्वयन के चरण में पहुंचा दिया गया है।

परियोजना के पहले चरण में राजस्थान को हर वर्ष जुलाई से अक्टूबर के बीच अपने हिस्से का यमुना जल पेयजल और अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए मिलेगा। इससे शेखावाटी क्षेत्र में लंबे समय से बनी हुई पेयजल संकट की समस्या को काफी हद तक दूर करने में मदद मिलेगी और लाखों लोगों को स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होगा।

दूसरे चरण में परियोजना के तहत लगभग 1.05 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें चूरू जिले की करीब 35 हजार हेक्टेयर और झुंझुनूं जिले की करीब 70 हजार हेक्टेयर भूमि शामिल है। इससे क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार के अनुसार, इस परियोजना से मानसून के दौरान राजस्थान के हिस्से का वह यमुना जल भी उपयोग में लाया जा सकेगा, जो अब तक बिना इस्तेमाल के बह जाता था। जलाशयों में पानी के भंडारण से भूजल स्तर में सुधार और क्षेत्र की दीर्घकालिक जल सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार यमुना बेसिन में रेनुकाजी, लाखवार और किशाऊ जलाशय परियोजनाओं पर भी काम कर रही है। इनके पूरा होने के बाद राजस्थान को अतिरिक्त 201 एमसीएम पानी मिलने की संभावना है,

यमुना जल समझौते पर जयपुर में सीएम भजनलाल का भव्य रोड शो

यमुना जल समझौते के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जयपुर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। जयपुर एयरपोर्ट से लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय और मुख्यमंत्री आवास तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं, नारों और पारंपरिक स्वागत के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। पूरे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयपुर एयरपोर्ट पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान मदन राठौड़ ने उन्हें चांदी का कलश भेंट किया, जिसे मुख्यमंत्री ने सिर पर रखकर स्वीकार किया। मीडिया से बातचीत में भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की सबसे बड़ी जरूरत पानी रही है और उनकी सरकार किसानों, उद्योगों तथा आमजन के लिए जल उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी, यमुना जल समझौता और देवास परियोजना जैसी वर्षों से लंबित योजनाओं को उनकी सरकार ने आगे बढ़ाया है। एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री चार ई-बसों के काफिले के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय के लिए रवाना हुए। पहली बस में उनके साथ प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद रहे, जबकि अन्य बसों में मंत्री, विधायक और वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी सवार थे। कार्यकर्ताओं ने सीएम के काफिले का जवाहर सर्किल, गांधी सर्किल, रामबाग सर्किल और कॉनोडिया कॉलेज के सामने सहित कई स्थानों पर जोरदार स्वागत किया। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि आलू से सोना बनाने की बातें करने वालों के विपरीत उनकी सरकार यमुना का पानी राजस्थान लेकर आई है। उन्होंने कहा कि पानी आने के बाद प्रदेश का किसान अपनी मेहनत से सोना उगाएगा। दोपहर दो बजे के करीब मुख्यमंत्री भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका स्वागत किया। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और कहा कि जिस प्रकार भागीरथ गंगा को धरती पर लाए थे, उसी तरह भजनलाल शर्मा यमुना का पानी राजस्थान तक लाने का ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा से तीन बड़ी पाइपलाइनों के माध्यम से राजस्थान को पानी मिलेगा। इसके बाद मुख्यमंत्री निवास पर भी विभिन्न सामाजिक संगठनों, भाजपा विधि प्रकोष्ठ तथा शेखावाटी क्षेत्र की महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1994 के समझौते के अनुरूप राजस्थान को उसके हिस्से का पानी मिलेगा, जिससे शेखावाटी सहित कई क्षेत्रों की पेयजल और सिंचाई संबंधी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा।

अगले 48 घंटों में बांसवाड़ा से होगी मानसून की एंट्री

राजस्थान में भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटों में मानसून राजस्थान में प्रवेश कर सकता है। मानसून के असर से 2 जुलाई से राज्य के कई हिस्सों में आंधी और बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी, जबकि 6 जुलाई तक अधिकांश जिलों में बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है। इस बार मानसून राजस्थान के दक्षिणी द्वार डूंगरपुर-बांसवाड़ा के रास्ते राजस्थान में प्रवेश करेगा। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार पूर्वी राजस्थान में 2 या 3 जुलाई को मानसून प्रवेश कर सकता है। इसके प्रभाव से उदयपुर, कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। 3 से 6 जुलाई के बीच मानसून का असर और बढ़ने के साथ राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

जुलाई में सामान्य से कम बारिश की आशंका

हालांकि मानसून के आगमन की संभावना के बीच मौसम विभाग ने जुलाई माह में राज्य में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान भी जताया है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई काफी हद तक बारिश पर निर्भर करती है।

उत्तर-पूर्वी जिलों में अंधड़ का अलर्ट

मौसम विभाग ने 2 से 4 जुलाई के बीच बीकानेर संभाग

के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिलों में तेज अंधड़ की चेतावनी जारी की है। इन क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक रफ्तार से धूलभरी हवाएं चल सकती हैं। जोधपुर, फलोदी और जालोर के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश होने की संभावना है।

गर्मी और उमस से बेहाल रहा प्रदेश

पिछले 24 घंटों के दौरान कोटा, उदयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों को छोड़कर अधिकांश राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। जयपुर, अजमेर, बीकानेर और जोधपुर संभाग में दिनभर तेज धूप और उमस का असर बना रहा। हालांकि कुछ क्षेत्रों में हवाएं चलने से तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई।

जगन गुर्जर हत्याकांड में प्रशासन और परिजनों के बीच बनी सहमति

अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की हत्या के बाद जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी के बाहर चल रहा परिजनों का धरना करीब 12 घंटे बाद मंगलवार देर शाम समाप्त हो गया। प्रशासन और परिजनों के बीच सहमति बनने के बाद परिजनों ने धरना समाप्त करने का फैसला किया।

धरना समाप्त होने के बाद अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में जगन गुर्जर का पोस्टमार्टम किया गया, वहीं कल जगन के पैतृक गांव धौलपुर में उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रशासन ने परिजनों की पांच प्रमुख मांगों को स्वीकार करते हुए सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद जगन गुर्जर के बेटे आसाराम ने धरना समाप्त करने की घोषणा की।

धरना स्थल पर दिनभर भारी संख्या में गुर्जर समाज के लोग और समर्थक मौजूद रहे। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने कई दौर की वार्ता की। आखिरकार प्रशासन की ओर से तैयार सहमति पत्र पर सहमति बनने के बाद जगन गुर्जर के करीबी प्रहलाद सिंह ने सभी मांगों और प्रशासन के निर्णय को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया। इसके बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के लिए सहमति दे दी।

प्रशासन ने जगन गुर्जर के परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। जांच पूरी होने तक उसके बेटे आसाराम को निजी सुरक्षा अधिकारी उपलब्ध कराया जाएगा और जिन लोगों से परिवार को खतरा होने की आशंका है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें पाबंद किया जाएगा।

जगन गुर्जर हत्याकांड की जांच किसी अन्य एजेंसी से कराने पर सहमति बनी है, ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। वहीं घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद जेल अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच होगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने यह भी तय किया है कि जगन के भाई पप्पू गुर्जर को अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से भरतपुर अथवा धौलपुर जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा पप्पू गुर्जर, लाल सिंह और पान सिंह को कड़ी सुरक्षा

व्यवस्था के बीच जगन गुर्जर के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।

धौलपुर जिले के संबंधित थानाधिकारी की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए गए हैं। यदि जांच में यह सामने आता है कि जगन गुर्जर को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजा गया था, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि 29 जून को अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल के भीतर कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की हत्या कर दी गई थी। वह धौलपुर जिले के डांग क्षेत्र के भवुतीपुरा गांव का निवासी था। आरोप है कि भरतपुर के चर्चित कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी विष्णु ने बैरक के भीतर गमछे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी, दोनों हार्डकोर बंदी एक ही बैरक में बंद थे। जेल के भीतर हुई इस हाई-प्रोफाइल हत्या के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। परिजनों ने हत्या को सुनियोजित बताते हुए निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर धरना शुरू किया था। अब प्रशासन की ओर से मांगें स्वीकार किए जाने के बाद धरना तो समाप्त हो गया है लेकिन पूरे मामले की जांच और प्रशासन द्वारा किए गए वादों के पालन पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

बयाना विधायक रितु बनावत को हाईकोर्ट से राहत चुनाव याचिका खारिज

राजस्थान हाईकोर्ट ने बयाना की निर्दलीय विधायक रितु बनावत के चुनाव को रद्द करने की मांग वाली चुनाव याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लगाए गए आरोप चुनावी जनादेश को अमान्य करने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

कोर्ट ने लगाया एक लाख का जुर्माना

कोर्ट ने विधायक रितु बनावत पर कोर्ट के समन से जानबूझकर बचने की कोशिश करने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह आदेश जस्टिस सुदेश बंसल ने 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में बयाना विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार पुरुषोत्तम लाल की याचिका पर दिया। हाईकोर्ट ने कार्यवाही के दौरान विधायक रितु बनावत के व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि उन्होंने कोर्ट के समन से बचने के लिए जानबूझकर और सोच-समझकर कई तरीके अपनाए। कोर्ट ने गौर किया कि नोटिस तामील कराने की बार-बार की गई कोशिशें नाकाम रहीं, जिससे हाईकोर्ट को राजस्थान विधानसभा के सचिव के जरिए नोटिस तामील कराने का दूसरा तरीका अपनाना पड़ा। नामांकन पत्र में गलत जानकारी देने के थे आरोप इस व्यवहार को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने विधायक पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

पैरामेडिकल परीक्षा में सामूहिक नकल- जिस कमरे में छपे प्रश्नपत्र

जयपुर के कालवाड़ (मुंडोता) स्थित प्रभा देवी मेमोरियल पीजी कॉलेज में आयोजित पैरामेडिकल डिप्लोमा परीक्षा के दौरान सामूहिक नकल की साजिश का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि झुंझुनूं के एक कॉलेज के 45 विद्यार्थियों को एक ही कमरे में बैठाकर नकल कराने की तैयारी की गई थी। इसके बदले करीब 5.50 लाख रुपए का सौदा तय हुआ था। मामले के सामने आने के बाद राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल ने संबंधित परीक्षा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है और परीक्षा केंद्र की मान्यता निरस्त करने का निर्णय लिया है।खोरा बीसल थाना पुलिस की समय रहते की गई कार्रवाई से कथित नकल

रैकेट का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने कॉलेज संचालक रामकृष्ण मंडीवाल, उसके भतीजे देवकृष्ण मंडीवाल और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस को विद्यार्थियों के नाम और अन्य जानकारियों से जुड़ी पर्चियां तथा कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मिले हैं, जिन्हें साक्ष्य के तौर पर जब्त किया गया है।

इंदौर जा रही बस में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लगी भीषण आग

राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ऋषिकेश से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों में आग लग गई। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 22 लोग घायल हुए हैं।

दौसा एसपी पीयूष दीक्षित ने बताया कि हादसा कोलवा थाना क्षेत्र के तनावड़ स्थित जीरो पॉइंट पर रात करीब 2:30 बजे हुआ। मृतकों में पांच लोगों की मौत आग में झुलसने से हुई, जबकि दो लोगों ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज दौसा जिला अस्पताल में चल रहा है। बस में तेजी से फैली आग

पुलिस के अनुसार हादसे के बाद बस में आग तेजी से फैल गई, जिससे अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। प्रत्यदर्शियों के मुताबिक बस करीब एक घंटे तक जलती रही और इसी दौरान स्थानीय लोगों ने आग और धुएं के बीच फंसे यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश की। हादसे में कई बच्चे भी घायल हुए हैं। जिला अस्पताल में भर्ती घायलों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक महिला अपने घायल बच्चे के इलाज के लिए डॉक्टरों से गुहार लगाती नजर आई। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया है कि बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट के पैकेट भरे हुए थे। उनका मानना है कि इसी वजह से आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। हालांकि पुलिस ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है

मोबाइल क्रांति,कभी डिजिटल स्वर्ग,अब डिजिटल एडिशन (लत) : एक अनुशीलन

मोबाइल फ़ोन की खोज,अमेरिका वासी,मार्टिन कूपर,जो मेटोरोला कम्पनी के इंजीनियर थे,ने 3अप्रेल,1973 को, किया था।उन्होंने अपने मित्र जोएल को,न्यूयॉर्क की सड़क पर पहला फ़ोन किया था।अपने मित्र से कहा-I am calling you from a cell phone,a real handheld portable cell phone.उस सेल फ़ोन का नाम था Motorola DynaTac 8000X जिसका वजन 1 Kg(2.5 Pound)था।उस प्रारम्भिक सेल फ़ोन की कीमत 10 लाख थी।आधे घंटे बात करने के लिए,बैटरी को चार्ज करने में 10 घण्टे लगते थे,परन्तु आज ऐसा नहीं है।

वास्तव में,मोबाइल फ़ोन,विज्ञान का एक अद्भुत आविष्कार है,जो आज हमारे दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है।मोबाइल फ़ोन ने आज हम सबकी नींद,एकाग्रता सामाजिक लगाव,व्यक्तिक डेटा,मानसिक सक्रियता और स्वास्थ्य,निजता,सिनेमा,टेलीफ़ोन,घड़ी,कैलकुलेटर,कैमरा,टॉर्च,रेडियो,डायरी,चिट्ठी पत्री,दोस्तों की महफ़िल,गली मुहल्लों के खेल,आमने सामने की बातचीत के दौरान की आत्मीयता,पारिवारिक समय,रिश्तों की मिठास,फ़ुर्शत व शांति,दादा नानी की कहानियाँ,हाथ में लेकर पढ़ने वाले अख़बार इत्यादि को,हमसे छीन लिया;और दिया है आसान संचार,तमाम जानकारी,ऑन लाइन शिक्षा,डिजिटल बैंकिंग भुगतान,नेविगेशन,उच्च गुणवत्ता के फ़ोटो कैमरे,बेहतरीन जुड़ाव सम्पर्क,मनोरंजन,उत्पादकता,आपातकालीन परिस्थियों में मदद व समय प्रबंधन हेतु अलार्म,कैलेंडर,रिमाइंडर आदि।यह पोर्टेबल यंत्र तत्काल संचार,इंटरनेट एक्सेस,डिजिटल पेमेण्ट, नेविगेशन,डॉक्टरों से घर बैठे परामर्श,घर बैठे स्नढ्ढक्रघर बैठे विशेषज्ञों की सलाह की सुविधा देकर लोगों के जीवन को काफ़ी प्रभावित किया है।इससे वॉइस कॉल,वीडियो चैट,टेक्स मैसेज,व्हाट्स एप मेसेज वीडियो भेजना आसान हुआ है।आज मोबाइल की मदद से,ज्ञान का असीमित स्रोत हमेशा और कहीं भी उपलब्ध होता है।इसीलिए लोग कहते हैं कि आज दुनियाँ लोगों की मुट्ठी में आ चुकी है।कहने का मतलब आज कहीं की सूचना दृश्य सहित,कहीं भी,चंद क्षणों में इसकी मदद से पहुँचाई जा सकती है।वो भी बिना किसी गति व गतिविधि के।मोबाइल फ़ोन के सन्दर्भ में आज हमारे मनीषी भगवद् गीता के एक श्लोक के साथ उसके कुप्रभाव को भी दर्शाते हैं-

इंद्रियाणाम हि चरतां,यन्मनो नु विधीयते।
तदस्य हरति प्रज्ञाम,वायुर्नावमिवाम्भसी ।।

कहने का तात्पर्य कि जैसे-हवा नाव को भटका देती है,वैसे ही इंद्रियाँ मन को भटका कर बुद्धि को हर लेती हैं;ठीक वैसे ही आज मोबाइल हम सभी और बच्चों के मन को भटकाकर बुद्धि को हर लिया है।आज हम सभी मोबाइल के गुलाम बन चुके हैं।यदि हम रोज 04 घण्टे मोबाइल चलाने में समय ख़र्च कर रहे हैं तो समझे साल में 60 दिन,और पाँच वर्ष में जीवन के 10 माह जन्दिगी के केवल स्क्रीन देखने में लगा दे रहें हैं।अब तो आज लोग 7-7 घण्टे मोबाइल चलाने में लगा देते हैं।तो जरा हिसाब लगाइए हम अपने जीवन के कितने घण्टों को स्क्रीन देखने में लगा रहे हैं।

अब आइये कुछ शोधों के सार जो समय समय पर मोबाइल गतिविधियों और उसके पड़ने वाले प्रभावों पर किए गए हैं की जानकारी प्राप्त करते हैं।बच्चों के विकास में स्मार्ट फ़ोन,टैबलेटऔर अन्य डिजिटल उपकरण बाधक बनते हैं।

बच्चों के दिमाग का 80% विकास 0-3 वर्ष में हो जाता है।अतः शोधकर्ताओं के विचार हैं कि 02 वर्ष तक के बच्चों को मोबाइल फ़ोन नहीं चलाने देना चाहिए,अन्यथा उनमें नींद की कमी,भाषा विकास में व्यवधान,बोलने में देरी,अलग थलग रहने का व्यवहार,मोटापा,आटिज्म के लक्षण,ऑखों का दृष्टि विकास में बाधा आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती है।यह शोध लन्दन के शोधार्थियों द्वारा किया गया है और सरकार से अनुरोध किया गया है कि 05 वर्ष तक बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम पर नई गाइडलाइन जारी किया जाए।बच्चों को स्क्रीन एडिक्शन से बचाया जाए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय है कि छोटे बच्चों,यानि 18 माह तक के बच्चों को स्क्रीन, मोबाइल फ़ोन नहीं दिखाना चाहिए।02-12 वर्ष तक के बच्चों को एक दिन में 1 घंटे मोबाइल दे सकते हैं। टीनएजर्स 13-18 वर्ष को अधिकतम 1-2 घंटे और वयस्कों को मनोरंजन और सोशल मीडिया के लिए अधिकतम 2-3 घंटे मोबाइल फोन प्रयोग करने की सलाह देते हैं।हमारे यहाँ हज़ारों वर्ष पहले आदि योगी शिव ने विज्ञान भैरव तन्त्र में लिखा है कि÷यन्त्र नहीं चेतना प्रधान होती है।अतःचेतना को पवित्र बनाना चाहिए।वैसे भी एक विचारक ने कहा है- "Technology should serve people not control them.÷तकनीक लोगों की सेवा के लिए है न की उन्हें कंट्रोल(नियंत्रण) के लिए।हमे मोबाइल का गुलाम नहीं होना चाहिए,बल्कि उसे अपने काम को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।आज मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से लोगों में ÷नामोफ़ोबिया÷नामक मानसिक बीमारी भी हो जाती है। कुछ लोगों में मोबाइल फ़ोन के बिना घबराहट होने लगती है।

वर्ष 2025 में AIIMS की स्टडी में पाया गया है कि 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन देखने वाले 62%बच्चों की आँखे 14 साल की उम्र में ख़राब हो जाती हैं।

मोबाइल फ़ोन यदि 30 मिनट तक कान में चिपकाकर बात किया जाता है तो दिमाग़ का तापमान एक डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ जाता है।

रात 10 बजे के बाद मोबाइल फ़ोन का प्रयोग करने से 50%मेलोटोनिन हार्मोन की कमी हो जाती है।

एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि यदि 14 वर्ष के कम उम्र के बच्चे नीली रोशनी वाले डिजिटल उपकरणों और छोटे टेक्स्ट मैसेज को बार बार देखते हैं तो उनमें 58त्नबच्चों को दृष्टि संबंधी समस्याएं होने की संभावना होती है।वर्ष 2025 में किए गए एक अध्ययन में यह भी पाया गया है कि मोबाइल फोन रिश्तों का क़ातिल भी है।लगभग 23%तलाक की वजह व्हाट्स एप और इंस्टाग्राम पर ज़्यादा समय बिताना बताया गया।

साथियों आप जो फ्री का ऐप अपने मोबाइल में चलाते हैं न वह भी कई कंपनियाँ 300-800/-में प्रति यूज़र डेटा बेच दे रहीं हैं।कारण आप का नाम,पता,आपकी रुचि,आप की गैलरी को बेचकर पैसे कमाए जा रहे हैं।वर्ष 2023 में भारत सरकार ने डेटा चोरी को रोकने के लिए Digital Personal Deta Protection Act लागू किया है कोई भी कम्पनी बिना आप के परमिशन से आप का डेटा नहीं चुरा सकती लेकिन हमे आप को मालूम ही नहीं और आप का डेटा चुराया जा रहा है वह ऐसे कि जब हम कोई ऐप इंस्टॉल करते हैं तो सेटिंग में allow all बटन क्लिक कर देते हैं और वह सारा डेटा चला जाता है,और उसका उपयोग कंपनियाँ कर रही हैं मित्रों !आपके मोबाइल में फोटो खीचने मात्र से EXIF Deta में GPS location save हो जाता है और hacker जान जाता है कि आप कहाँ हैं;इसीलिए मोबाइल से साइबर क्राइम बढ़ गया है।National Crime Record Beauro ,2025 के एक आंकड़े के अनुसार प्रतिदिन OTP फ्रॉड से 1.2करोड़ रुपये की ठगी हो जाती है।आज कल डिजिटल अरेस्ट की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।फ़र्जी पुलिस वीडियो कॉल के माध्यम से डराकर,पैसे ट्रांसफर कराए जा रहे हैं,जब कि पुलिस व्हाट्स एप कॉल नहीं करती।

मोबाइल में 12-16 वर्ष के 33 फीसद बच्चों को ऑन लाइन अनजाने में अश्लील मैसेज वीडियो मिलता है,जो बच्चों के व्यक्तित्व विकास में नकारात्मक प्रभाव डालता है।अतः बच्चों के माता पिता को ऐसे मोबाइल फ़ोन में गूगल फैमिली लिंक ऐप अवश्य लगा देना चाहिए। आज मोबाइल फ़ोन आपातकाल में देवदूत बनकर सामने आया है।भूकम्प दुर्घटना में डायल112 से 7 मिनट में एम्बुलेंस आ जा रही है।आज घर बैठे लोग बैंक से पैसे का लेन देन कर रहे हैं।घर बैठे मरीज विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह प्राप्त कर रहा है और गाँव के स्कूल का बच्चा दीक्षा एप के ज़रिए NCERT की किताबें फ्री प्राप्त कर रहा है और तो और आज लखिमपुर खीरी का बच्चा मोबाइल से IIT के प्रोफेसर से पढ़ रहा है।आज मौसम की जानकारी घर बैठे मिल रही है सचेत और दामिनी ऐप द्वारा कहाँ आकाशीय बिजली गिरेगी की भी सूचना पहले प्राप्त करने में मदद मिली है। यह मोबाइल क्रांति से ही सम्भव हुआ है।बस हमें सचेत होकर इसका उपयोग करना चाहिए जिससे हम मोबाइल की गुलामी से बच सकें।

लेखक:अवकाश प्राप्त प्रथम श्रेणी का अधिकारी,कई राज्य स्तरीय सम्मानों से विभूषित रचनाकार,साहित्यकार,वार्ताकार और शिक्षाविद हैं।

पिताजी : राही राज़, बेंगलुरु

स्मृतियों का उजास

÷पिताजी÷– यह शब्द मात्र उच्चारण नहीं, एक अनुभूति है; एक ऐसा स्पर्श, जो आत्मा तक उतर जाता है। यह वह संबोधन है जिसमें स्नेह का आकाश समाया है, अनुशासन की धरा बसी है और त्याग की गंगा निरंतर प्रवाहित होती रहती है। जब भी स्मृतियों के झरोखे खुलते हैं, पिताजी का सरल, सादा और संतोष से भरा चेहरा मन के आँगन में दीप-सा जगमगाने लगता है।

उनकी जिंदगी कितनी साधारण थी, मगर सादगी से भरी हुई थी, पर उस सादगी में ही असाधारण तेज झलकता था। एक आसमानी रंग की कमीज, जिसमें बड़ा-सा जेब होता, सादा धोती, और पैरों में हवाई चप्पल,यही उनकी पहचान थी। उन्हें ये फर्क नहीं पड़ता था कि कोई क्या सोचता है,वो तो एक अलग ही तरह के इंसान थे , लेकिन उस साधारण वेशभूषा में भी एक गरिमा थी, एक ऐसा आत्मविश्वास जो किसी राजा के वैभव को भी मात दे सके। जब वे चलते, तो उनकी चप्पलों की आवाज़ सन्नाटे को चीरती हुई ,जैसे जीवन का कोई गीत गुनगुनाती चली आती,एक मधुर, आत्मीय और जीवंत लय के साथ। उनका अहले सुबह उठकर भगवती गीत को पढ़ना , सुबह उठकर चाय के साथ अखबार को होना जरूरी होता था। जो समय के साथ साथ मुझमे में भी आ गया है। अब तो अखबर बंगलोर में हिंदी कम ही मिलता है मगर मेरे द्वारा आलेख को पढ़ना ,और औरों को पढ़ना मेरे पिताजी की ही देन है।

आज की इस भाग-दौड़ भरी दुनिया में जब खुद को उनसे तुलना करता हूँ, तो लगता है कि हम बहुत कुछ पाकर भी कितना कुछ खो चुके हैं। उनके पास संसाधन कम थे, लेकिन संतोष असीम था; हमारे पास सबकुछ है, फिर भी भीतर एक अधूरापन घर कर गया है। यही अंतर है उस पीढ़ी और इस पीढ़ी के जीवन-दर्शन में। और अब तुलना करता हूँ अपने बच्चों से तो वहां भी खुद को कम ही पाता हूँ।

पिताजी के शब्दों में एक अटूट आस्था थी -

÷माँ जगदम्बे कृपा करु अम्बेज÷

उनके लिए यह केवल प्रार्थना नहीं, बल्कि जीवन का आधार था। वे हर परिस्थिति में ईश्वर को याद करते और उसी में समाधान खोज लेते थे। एक घटना आज भी स्मृति में ज्यों की त्यों अंकित है। उस दिन पहली बार उन्हें चिंतित देखा था। उनके चेहरे पर छाई चिंता ने मन को विचलित कर दिया। जब कारण पूछा, तो उन्होंने सहजता से कहा, ÷आज कुछ ज्यादा पैसे कमाने हैं बेटा, घर का राशन खत्म हो गया है और छोटे बहनोई की विदाई भी करनी है।÷ उस दिन उनका काम नहीं चल पाया था, और वे भीतर ही भीतर व्याकुल थे। लेकिन उनके विश्वास की जड़ें बहुत गहरी थीं। वे अक्सर कहते,÷आँख का अंधा, गाँठ का पूरा, ओकरा भेज हे भगवान, रोज़ी भेजो हे भगवान।÷ और सच ही, जैसे ईश्वर ने उनकी पुकार सुन ली हो। कुछ ही देर में एक वृद्ध दारोगा उनके पास आया। तीन मामलों का काम था, और उसने पिताजी को पूरे 165 रुपये दिए–जो उस समय एक बड़ी राशि थी। उस क्षण पिताजी की आँखों में जो चमक थी, वह केवल पैसे की खुशी नहीं थी, वह उनके विश्वास की जीत थी।

उन्होंने मुस्कराकर कहा,÷देखा बेटा, भगवान होते हैं। अगर सच्चे मन से पुकारो और जरूरत सच्ची हो, तो वो किसी न किसी रूप में जरूर आते हैं।÷पिताजी केवल एक व्यक्ति नहीं थे, हमारे नजर में ,वे एक विचार थे, निडरता का, सादगी का, और संतोष का। उनके भीतर एक अजीब-सी निर्भीकता थी, जो कभी-कभी मेरे भीतर भी झलक जाती है, जैसे उनकी आत्मा का कोई अंश आज भी मुझमें जीवित हो। उनकी यादों के साथ जीते हुए, मन अक्सर यही कह उठता है कि -

दर्द के दरीचे पर जीता हूँ,
हर हाल में खुश रहता हूँ।

पिताजी की यही सीख थी,जीवन चाहे जैसा भी हो, उसे मुस्कराकर जीना ही सबसे बड़ी जीत है।

व्यंग्य : जोमेटो ले आएगा

कहोगे कलियुग में ये आदमी प्रवचन दे रहा है। हो सकता है ना मानो मेरी बात। लेकिन हे मूर्ख इतना काहिल और जाहिल मत बन जाओ की अपने हक की बात सुनने से रह जाओ। सही भी है आज के समय में जब बाप- बेटा का नहीं, पति- पत्नी का नहीं, दोस्त - दोस्त का नहीं। तब ये समझाना तुम्हें मेरा उल्टा भी पड़ सकता है। हो सकता है निकालो लाठी और कर दो मेरी पिटाई। लेकिन ना दिखाओ इतनी ढ़िठाई। आज लोग बाप -को- बाप नहीं कहते बल्कि आज की दुनिया में रूपया ही बाप है। सारी समस्या की जड़ रूपया है।

जब लोग ज्यादा लगते हैं कमाने । तो रिश्तेदारों को लगते हैं भूलाने । जो भलाई का रास्ता दिखाता है।वही बुरा बन जाता है। जिस घर में पैसा ज्यादा आने लगता है।वहाँ क्लेश बढ़ जाता है। पैसा संबंधों में स्पीड ब्रेकर बन जाता है। सब फसाद की जड़ है पैसा। पैसा आदमी को अँधा बनाता है। संबंधों की लुटिया डुबाता है। आज हर पैसे वाला है दुखी। रोगी है उसकी काया। चैन गया है छीन . रात में आती नहीं नींद। भागते- भागते उसका बीतता है दिन। नींद आँखों से गायब है। शरीर में रहती है हरारत । रात को आती नहीं है नींद। पैसा ही मनमुटाव का कारण बन जाता है।संबंधों में कटुता लाता है। मतलबी हैं लोग मतलब के हैं रिश्ते। बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रूपया। ऐसा लोगों की सोच है। भाई ये जीवण में है सबसे बड़ी मोच। अगर गिर गए कभी रास्ते में उठाने ना आएगा कोई। जिसने पैसा पहचाना रिश्ते की खोई साख । बाद में पछताता है। हाथ उसके कुछ ना आता है। जिसका मन मलिन है। वो दिखता है भोग-विलास में तल्लीन। ऐसे लोग हमेशा रहते हैं दुखी । दुनिया में वही है सुखी। जिसके पास है , रिश्तों की जमा पूँजी। रिश्तों को बचाओ जीवण में सफलता की है बड़ी कुँजी। अगर बिस्तर पर पड़ जाओगे। तो रिश्ता ही बचाएगा। पैसा पानी लेकर बिस्तर पर नहीं आएगा। मुँह में दवाई नहीं खिला सकता पैसा। रोटी भी नहीं बना सकता है पैसा। कहोगे रोटी बाजार से आ जाएगी। जोमेटो ले आएगा। मान लो जोमेटो ले आएगा। लेकिन क्या मुँह में भी खिलाएगा। क्या सहारा देकर पैसा बिस्तर से उठाएगा। जब तक जवानी है। मानो कर लोगे ऐश। लेकिन जब आएगा बूढ़ापा तब याद आएगा अपनो का सहारा। इसलिए रिश्तों का दो महत्व। आज ही कर को संकल्प।

अगर रूपये को छोड़ दो तो रिश्ते जुड़े रहते हैं। रूपया जहाँ बीच में आया रिश्ते को खाया। पैसों से बनाओ दूरी कर लो जीवण को सुखी।

सोच बदलो तभी समाज बदलेगा

सिया गोयल के मामले को गौर से देखा जाए तो स्त्री सशक्तिकरण के दावे मजबूत भी लगते है और खोखले भी। समझ में नहीं आता सिया मजबूत मनोबल वाली लड़की है या बेहद कमज़ोर।

मजबूत इसलिए कि प्रेमी के साथ मिलकर हत्याकांड को अंजाम दे दिया और कमज़ोर इसलिए कि माँ-बाप के सामने अपनी इच्छा अपनी पसंद अपनी मर्ज़ी तक नहीं रख पाई।

इसमें दोष किसका? माँ-बाप ने ऐसी परवरिश और स्वतंत्रता नहीं दी कि बच्ची खुलकर माँ-बाप से अपने विचार शेयर कर सकें? या सिया इतनी कम अक्ल है कि अपनी आगे की ज़न्दिगी के बारे में सोचे बिना एक कमज़ोर कांड को अंजाम दे दिया।

पहले जो ऐसी घटनाएं घटी उसे नहीं पता कि पुलिस दो दिन में ऐसे गुनहगारों को धर लेती है। उन घटनाओं से सबक क्यों नहीं लिया? क्यों नहीं सोचा कि आगे की लाइफ़ जेल की अंधेरी चार दीवारी में कटेगी।

महिला सशक्तिकरण महज़ खोखले दावे है प्रेमियों को मौत के घाट उतारने वाली चार लडकियों को देखकर सारी महिलाओं को सशक्त और सक्षम साबित नहीं कर सकते। ये सारी घटनाएं समाज और पितृसत्तात्मक सोच का सामना न कर पाने का नतीजा होती है। भीतर भुनभुनाते आक्रोश का विकृत स्वरूप होती है। घर में ऐसा वातावरण होना चाहिए कि बच्चें खुलकर अपनी सोच, अपनी पसंद नापसंद माँ-बाप के सामने मुखर होते रख सकें। बचपन से लड़कियों के मन में संस्कार के नाम पर ये बातें ठूंस दी जाती है कि तू एक लड़की है तुझे कुछ बातें शोभा नहीं देती, तू अपनी पसंद से कुछ एक काम नहीं कर सकती। खासकर अपनी पसंद का जीवनसाथी पसंद करना जैसे बहुत बड़ा अपराध हो गया। दोगला समाज समानता की और उच्च नीच ख़त्म करने की सिर्फ़ बातें ही करता है। लड़की जब कोई लड़का अपनी पसंद का चुनती है तब यही समाज लड़का अगर दूसरी जात का या अपने से थोड़ा कम पैसे वाला हो तब बेटियों पर दबाव डालकर अपनी पसंद और लेवल का लडके से जबरदस्ती बाँध देते है और नतीजा कोई मासूम अपनी जान से हाथ धो बैठता है।

हर सिक्के के दो पहलू होते है किसी एक की सफ़ाई सुनकर फैसला सुना देना गलत है। सिया की मानसिकता को कुरेदकर सच्चाई समाज के सामने लाना ज़रूरी है। पारिवारिक संबंध बेहद कमज़ोर हो तभी बच्चें गलत राह पर निकल जाते है। इस घटना में माँ-बाप भी उतने ही जिम्मेदार है। क्यों सिया के ऊपर अपनी पसंद थोपकर समाज को खुश करने निकले। बच्चों की ज़न्दिगी से उनके भविष्य से बढ़कर समाज इज्ज़त और आबरू नहीं है।

इंसान की मानसिकता कब बदलेगी? बेटियाँ जिगर का टुकड़ा होती है, कोई भेड़ बकरी नहीं। बेटी के जज़्बातों को परिवार वाले ही नहीं समझेंगे तो कहाँ जाएगी। लड़की होना कोई गुनाह तो नहीं, क्यूँ लड़कियों को एक दायरे में बाँधने की कोशिश की जाती है? क्यूँ लड़कियों को अपना पसंदीदा जीवनसाथी चुनने का अधिकार नहीं दिया जाता।

जब भी कोई लड़की अपने जीवन का सबसे अहम फैसला, जीवन साथी चुनने का निर्णय, अपनी पसंद के अनुसार लेती है तो वह समाज को स्वीकार्य नहीं होता। स्त्रियां तभी तक पूजनीय होती हैं, जब तक वे पितृसत्ता द्वारा अपने लिए निर्धारित कर्तव्यों का पालन करती है और पुरुष प्रधान समाज द्वारा निर्धारित कसौटियों पर खरी उतरती है। जैसे ही वे अपनी अस्मिता की तलाश करने लगती है और अपने मौलिक तथा अद्वितीय होने का प्रमाण देने लगती हैं, उन्हें अनुशासित, दंडित और प्रताड़ित करना शुरू हो जाता है। यह पितृसत्ता की युगों से चली आ रही परंपरा है। %बेटियों% की शादी तय करने से पहले सौ बार खुलकर पूछें कि उसे कोई और तो पसंद नहीं, अगर बच्चें किसीसे प्यार करते है तो उसकी पसंद के लड़के से ही शादी करवाईये ताकि कोई तीसरा बलि न चढ़ जाए।

भारतीय कानून और संविधान के अनुसार, यह धारणा बिल्कुल गलत है। प्रत्येक बालिग जो 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की है उस लड़की को अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का पूर्ण और कानूनी अधिकार है। स्वतंत्र निर्णय सशक्त परिवार की नींव है।

अपनी इज्ज़त बचाने के चक्कर में लड़की को किसी मासूम के गले बाँधकर किसी माँ की कोख मत उजाड़िए। हमारे समाज में बच्चों की ज़न्दिगी से ज्यादा इज्ज़त बड़ी होती है लेकिन जब बच्चें उसी इज्ज़त की धज्जिया उडाते कांड कर देते है तब क्या इज्ज़त का अचार डालोगे? अरे बच्चों की अपनी ज़िंदगी है उसे तय करने का अधिकार है कि उसे अपनी ज़िंदगी किसके साथ बितानी है। आपने जन्म दिया इसका मतलब आप उनके मालिक और बच्चें गुलाम नहीं है। अपनी पसंद थोपकर बच्चों को इतने विद्रोही मत बनाईये कि किसीका कत्ल करने से भी न हिचकिचाए।

समाज का कार्य मार्गदर्शक के रूप में होना चाहिए, न कि निर्णय लेने वाले के रूप में। आज का आधुनिक समाज इसे स्वीकार कर रहा है कि दो वयस्कों का आपसी प्रेम और सहमति किसी भी पुरानी परंपरा या सामाजिक बाधा से ऊपर है। माँ-बाप की एक ऐसी मानसिकता भी होती है कि गलत राह पर निकल गए बच्चों के लिए बोल देते है कि शादी करवा दो सुधर जाएगा। अरे क्यों भै सामने वाले ने तुम्हारे बिगडैल बच्चों को सुधारने का ठेका लिया है? पैदा आपने किया है तो ढ़ंग के संस्कार देना भी आपकी जिम्मेदारी है। शादी सांसारिक व्यवस्था को चलाने का विधान है न कि कोई रिहेब सेंटर।

जब तक पितृसत्तात्मक सोच समाप्त नहीं होती ऐसे हादसे होते रहेंगे जिसका आरोप बेकसूर लडकियों पर डालकर समाज अपना बचाव करता रहेगा। सोच बदलो तभी समाज बदलेगा।

नैतिकता और साहित्य सामाजिक संरचना के महीन रेशे

आज का युग विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं, किंतु यदि उसके भीतर नैतिक मूल्यों का ह्रास हो जाए तो यह विकास विनाश का कारण भी बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने कहा था कि साहित्य वही है जिसमें उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो।

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि मनुष्य के चरित्र-निर्माण का माध्यम हो।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का विश्वास था मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवता ही है।

भारतीय संस्कृति में नैतिकता को धर्म का मूल माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार और सहिष्णुता जैसे मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं इन्हें साहित्य ने जन-जन तक पहुँचाया है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश दिया, वहीं कबीर ने पाखंड का विरोध करते हुए प्रेम और सत्य का मार्ग दिखाया। साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, उसका मार्गदर्शक भी है।यह कथन केवल एक उक्ति नहीं, मानवीय सभ्यता का सत है। जिस समाज में नैतिकता और साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ संवेदनाएँ फलती हैं, न्याय आदर प्राप्त करता है और मनुष्य केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। नैतिकता मनुष्य के चरित्र का आधार है, जबकि साहित्य उसके हृदय की रक्त वाहिनी है। दोनों का समन्वय ही किसी सभ्य समाज का वास्तविक मूल है।

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि सत्य और अहिंसा ही मेरे जीवन का धर्म है। उनके विचारों पर साहित्य का गहरा प्रभाव था। उन्होंने अनेक ग्रंथों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नैतिकता का उदाहरण बनाया।

रूसी साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय का मानना था कि सच्ची कला मानवता को जोड़ती है।

उनकी रचनाएँ केवल कहानियाँ नहीं, बल्कि नैतिक चेतना की पाठशाला हैं। इसी प्रकार मैक्सिम गोर्की ने साहित्य को संघर्षशील समाज की आवाज़ बताया। हिंदी के महान कवि रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।

यह बात केवल प्रेरणा नहीं देती, बल्कि आत्मविश्वास और नैतिक साहस का भी संदेश देती है। आज समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है,भ्रष्टाचार, हिंसा, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, पर्यावरण संकट और सामाजिक असहिष्णुता। इन समस्याओं का समाधान केवल कानून से संभव नहीं है। जब तक मनुष्य के भीतर नैतिक चेतना जागृत नहीं होगी, तब तक स्थायी परिवर्तन नहीं आएगा। यह कार्य साहित्य ही कर सकता है, क्योंकि वह सीधे मनुष्य के हृदय से संवाद करता है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में यदि साहित्य और नैतिक शिक्षा को समान महत्व दिया जाए तो भावी पीढ़ी केवल सफल ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनेगी। एक वैज्ञानिक, डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासक या राजनेता तभी समाज का हित कर सकता है जब उसके भीतर नैतिकता का प्रकाश हो।

आज सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के युग में साहित्य की भूमिका और भी बढ़ गई है। साहित्य हमें ठहरकर सोचने, आत्ममंथन करने और सही-गलत का विवेक विकसित करने की प्रेरणा देता है। वह मनुष्य को केवल बुद्धिमान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाता है। मूलतः नैतिकता समाज की आत्मा है और साहित्य उसकी चेतना। जहाँ नैतिकता होगी, वहाँ विश्वास होगा; जहाँ साहित्य होगा, वहाँ संवेदना होगी। विश्वास और संवेदना मिलकर ही आदर्श समाज का निर्माण करते हैं। इसलिए यदि हमें समृद्ध, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण करना है तो साहित्य और नैतिक मूल्यों को जीवन तथा शिक्षा के केंद्र में स्थान देना ही होगा।

एकलव्य : व्यवस्था के मुँह पर युगों से पड़ा एक तमाचा

एकलव्य कोई व्यक्ति नहीं है। वो एक व्यक्तित्व है। वो आज की व्यवस्था, हमारी खोखली समानता और सत्ता की नंगी भूख पर युगों-युगों से पड़ा एक तमाचा है। एकलव्य उस समाज से आता है जिसके पास %विकसित% कहे जाने वाले साधन नहीं हैं। कागजों में वो गरीब है, पिछड़ा है। पर प्रकृति की गोद में वो सबसे धनी है। वो निषादराज हिरण्यधनु का पुत्र है, जंगलों का राजा। उसका राज्य भले साधन-संपन्न न हो, पर धनुर्विद्या उसका शौक नहीं, उसके जीने का साधन है। जंगल में खुद को बचाने के लिए वो पैदा होते ही धनुष उठा लेता है। वो जन्मजात पारंगत है। पर आज के दौर की तरह, तब भी हुनर काफी नहीं था। हुनर पर एक %कागजी सर्टिफिकेट% का ठप्पा चाहिए था। बिना स्टैंप के तुम कितने भी काबिल हो, %एलिजिबल% नहीं हो। यहीं से एकलव्य का संघर्ष शुरू होता है। वो अपनी पारंगता पर गुरु द्रोण की मोहर लगवाने हस्तिनापुर पहुँच जाता है। द्रोण। उस समय के विश्वविख्यात गुरु। स्वयं परशुराम के शिष्य। ज्ञान का सूरज। पर ये सूरज भी %वचन% के बादलों में बंधा था। चंद सिक्कों और राजसत्ता की गुलामी के वचन में। जब गुरु ज्ञान की जगह सत्ता की चौखट पर बिक जाता है, तभी उसका पतन शुरू होता है। द्रोण का पतन उसी दिन शुरू हो गया था। उनके सामने एक ऐसा बच्चा खड़ा था जो भविष्य में कीर्तिमान रच सकता था। पर वचन आड़े आ गया। उन्होंने नकार दिया। एकलव्य ने न कोई शिकायत की, न तर्क। महाभारत में दो बच्चे प्रताड़ित हुए - कर्ण और एकलव्य। कर्ण अपनी जाति का रोना रोता रहा, तर्क करता रहा। क्योंकि उसके अंदर क्षत्रिय का खून उबलता था। पर एकलव्य शांत रहा। क्योंकि उसने अपनी %दासता% कबूल कर ली थी। जब तुम अपनी गुलामी मान लेते हो, तो तुम लड़ते नहीं, नतमस्तक हो जाते हो। तुम सिस्टम से बाहर होकर रास्ता खोजते हो। एकलव्य ने यही किया।वो लौटा नहीं। सोचकर आया था कि धनुर्विद्या सीखकर जाऊँगा। अब गाँव जाकर क्या मुँह दिखाता कि गुरु ने नकार दिया? सो जंगल में ही रुक गया। मिट्टी की द्रोण-मूर्ति बनाई और अभ्यास शुरू कर दिया। यहीं एकलव्य हमें सिखाता है कि गुरु क्या है। गुरु कोई हाड़-मांस का शरीर नहीं। गुरु तुम्हारे अंदर की चेतना है। अगर वो चेतना जाग जाए, तो तुम्हें बाहरी शब्दों की जरूरत नहीं। तुम्हारे अंदर से ही वो आवाज निकलेगी जो तुम्हें रास्ता दिखाएगी। ये चेतना आज के %सभ्य% समाज में कहाँ है? ये सवाल है।कहते हैं न, सूरज को बताना नहीं पड़ता कि वो निकल गया। उसकी रोशनी खुद बता देती है। एकलव्य की साधना की कीर्ति भी फैलते-फैलते हस्तिनापुर पहुँच गई। राजकुमार उसे देखने जंगल पहुँचे। उनका कुत्ता भौंककर एकलव्य का ध्यान भंग करने लगा। एकलव्य चाहता तो एक बाण में उसे खत्म कर देता। पर वो जंगल का बेटा था। जंगल में वो जानवरों के बीच पला-बढ़ा था। पशु-पक्षी उसके साथी थे, परिवार थे। उसके भीतर प्राणी-मात्र के लिए गहरी दया और करुणा थी। जंगल ने उसे सिखाया था कि हिंसा मजबूरी हो सकती है, शौक नहीं। इसलिए उसने शब्दभेदी बाण मारा। ऐसा कि कुत्ते का मुँह बाणों से भर गया। न घाव हुआ, न खून की बूँद गिरी। बस आवाज बंद हो गई। वो न मुँह खोल पाए, न बंद कर पाए। ये थी उसकी विद्या - मारना नहीं, साधना। और यही फर्क है जंगल के एकलव्य और महल के राजकुमारों में।वो कुत्ता भागा-भागा राजकुमारों के पास पहुँचा। अर्जुन और बाकी सबने देखा कि एक तीर निकालो तो खून की बूँद नहीं गिरती। सब द्रोण को लेकर एकलव्य के पास दौड़े। द्रोण ने एकलव्य का औरा, उसकी प्रज्ञा देखी और समझ गए - अर्जुन तो इसके सामने कहीं नहीं टिकता।और यहीं गुरु द्रोण ने वो अपराध किया जिसे इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। हाँ, ये गलती नहीं, अपराध था। जब गुरु, दक्षिणा में शिष्य का भविष्य ही माँग ले, तो वो गुरु नहीं, अपराधी है। दक्षिणा माँगते वक्त द्रोण की आँखों में पानी नहीं था। और देते वक्त एकलव्य की आँखों में भी नहीं। एक तरफ सत्ता का अहंकार था, दूसरी तरफ समर्पण का भाव। बिना एक पल सोचे एकलव्य ने दाहिने हाथ का अँगूठा काटकर रख दिया।सवाल ये है - उस वक्त का सबसे बड़ा गुरु क्या इतना विवश था? क्या एक वचन की खातिर किसी का भविष्य दाँव पर लगाना जरूरी था? ऐसे गुरु को नमस्कार है।

और आज? आज भी चारों तरफ एकलव्य ही एकलव्य फैले हैं। और हर गली-मोहल्ले में गुरु द्रोण बैठे हैं, उनका अँगूठा माँग रहे हैं। ये गुरु द्रोण कौन हैं? ये हमारी शिक्षा व्यवस्था है जो डिग्री के नाम पर लाखों वसूलती है, पर हुनर नहीं देती। ये हमारी सत्ता है जो आरक्षण के नाम पर अँगूठे काटती है, और मेरिट के नाम पर दरवाजे बंद करती है। ये वो कंपनियाँ हैं जो अनुभव के नाम पर फ्रेशर का अँगूठा माँग लेती हैं।

भादवा जीएसएस के भीतर संविदाकर्मी की संदिग्ध मौत; भाई का आरोप– 'पहले अपहरण कर पीटा, फिर फंदे पर लटकाया', 7 नामजद

राजवीर सिंह मनाना

परबतसर उपखंड के भादवा गांव स्थित 33/11 केवी जीएसएस में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब ड्यूटी पर तैनात बिजली विभाग के एक संविदाकर्मी लाइनमैन का शव बिजलीघर के कार्यालय के भीतर पंखे से लटका पाया गया। मृतक की पहचान जस्साराम 25 वर्ष के रूप में हुई है। शव मिलने की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, जिसके बाद जीएसएस परिसर के बाहर सैकड़ों ग्रामीणों और परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए बडू थाना पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर स्थानीय राजकीय अस्पताल की मॉर्च्युरी यानी शवगृह में भिजवाया। परिजनों और ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच और नामजद आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर अस्पताल और जीएसएस के बाहर जमकर विरोध-प्रदर्शन किया।

भाई का गंभीर आरोप- पहले रास्ते से किया अपहरण, फिर पीट-पीटकर मार डाला

घटना को लेकर मृतक के भाई धर्माराम ने बडू थाने में लिखित शिकायत सौंपकर सामूहिक हत्या का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पुलिस को दी गई विस्तृत रिपोर्ट में धर्माराम ने बताया कि यह कोई आत्महत्या का मामला नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दी गई हत्या है। शिकायत के अनुसार, नामजद आरोपियों ने सोमवार को पहले जस्साराम का रास्ते से अपहरण किया, उसे किसी अज्ञात स्थान पर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की और जब उसकी मौत हो गई, तो मामले को खुदकुशी का रूप देने

के लिए शव को देर रात बिजलीघर के अंदर ले जाकर फंदे से लटका दिया।

7 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज, पिछले 4 महीनों से मिल रही थी धमकियां

मृतक के भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके के 7 लोगों के खिलाफ हत्या, अपहरण और षड्यंत्र रचने का मुकदमा दर्ज किया है। प्राथमिकी यानी एफआईआर में विमला देवी पत्नी चेनाराम, बन्नाराम पुत्र कुम्भाराम, चेनाराम पुत्र कुम्भाराम, नानूराम आंचरा पुत्र सुखाराम आंचरा, जितेन्द्र पुत्र तिलोकराम आंचरा, रामनिवास पुत्र चुन्नीलाल आंचरा, कैलाश पुत्र तिलोकराम सहित को नामजद किया गया है। परिजनों ने खुलासा किया कि जस्साराम पिछले तीन-चार महीनों से बेहद तनाव में था क्योंकि उक्त आरोपी उसे लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। सोमवार शाम करीब 4 बजे के बाद से ही जस्साराम का मोबाइल फोन अचानक बंद हो गया था, जिसके बाद से ही परिवार वाले किसी अनहोनी की आशंका से घबराए हुए थे।

सुरक्षित सरकारी परिसर और गायब फोन के 16 घंटे, जांच में उलझे कई सवाल

इस पूरी घटना ने पुलिस प्रशासन के सामने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनकी परतें

खुलना बाकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि सुरक्षित और तकनीकी रूप से संवेदनशील सरकारी बिजलीघर के भीतर यदि कोई संदिग्ध गतिविधि हुई, तो वहां मौजूद किसी अन्य कर्मचारी या लाइनमैन को इसकी भनक क्यों नहीं लगी। इसके अलावा सोमवार शाम 4 बजे मोबाइल बंद होने से लेकर मंगलवार सुबह शव मिलने के बीच के उन 15-16 घंटों में जस्साराम कहां था और किसके संपर्क में था, पुलिस इसकी भी पड़ताल कर रही है। साथ ही, नामजद आरोपियों और मृतक के बीच पिछले 4 महीनों से चल रहे विवाद की मुख्य वजह क्या थी, जिसकी वजह से धमकियां दी जा रही थीं, इसे भी जांच के केंद्र में रखा गया है।

भारतीय न्याय संहिता की संगीन धाराओं में मामला दर्ज, वैज्ञानिक साक्ष्यों से खुलेगा राज

मामले की गंभीरता और कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बडू थाना पुलिस ने नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला पंजीकृत किया है। पुलिस ने प्राथमिकी में धारा 108, 115, 126, 352, 140 और 189 को शामिल किया है, जो अपहरण, अवैध रूप से बंधक बनाने, मारपीट और हत्या से जुड़ी हैं। घटनास्थल की बारीकी से जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला यानी एफएसएल टीम की भी मदद ली जा रही है ताकि उंगलियों के निशान और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा सकें। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का सटीक विश्लेषण डॉक्टरों के दल यानी मेडिकल बोर्ड द्वारा की जाने वाली पोस्टमॉर्टम यानी शव परीक्षण रिपोर्ट से होगा। इसके साथ ही मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी सीडीआर को खंगाला जा रहा है ताकि आखिरी समय में हुई बातचीत के आधार पर आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

पुलिस का दावा- हर पहलू की हो रही है तकनीकी जांच, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

जांच अधिकारी ने मामले पर बयान देते हुए बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर 8 नामजद लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में हत्या व अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस हर एक पहलू पर वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से अनुसंधान कर रही है और वर्तमान में कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और कॉल डिटेल विश्लेषण रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह साफ हो जाएगी और दोषियों को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

अवैध बजरी परिवहन पर खंडार पुलिस की कार्रवाई, बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सवाई माधोपुर। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्री के निर्देश पर जिले में अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खंडार थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बनास नदी क्षेत्र से अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है।

थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 29 जून की रात बनास नदी के घाटा क्षेत्र में कार्रवाई की। पुलिस को देखकर चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। इस संबंध में ट्रैक्टर चालक एवं मालिक के खिलाफ थाना खंडार में बीएनएस की धारा तथा एमएमडीआर एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार चालक एवं वाहन मालिक की तलाश जारी है। पुलिस टीम में एएसआई धर्मपाल सिंह, कांस्टेबल चन्द्रभान सिंह एवं कांस्टेबल मूलाराम शामिल रहे।

खंडार पुलिस की बड़ी कार्रवाई खंडार पुलिस ने 480 पव्वे अवैध देशी शराब किए जब्त, तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी पकड़ी

सवाई माधोपुर। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में खंडार थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 480 पव्वे अवैध देशी शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

पुलिस के अनुसार 29 जून की रात बिहारी ईंटभट्टा मोड़ पर नाकाबंदी के दौरान तलावड़ा की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल का चालक पुलिस को देखकर वाहन छोड़कर खेतों की ओर भाग निकला। पुलिस ने मोटरसाइकिल की तलाशी ली, जिसमें रखे कट्टों से 480 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुई।

पुलिस ने शराब और मोटरसाइकिल जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई में एएसआई चंद्रभान सिंह, कांस्टेबल मूलाराम, शिशुपाल, विजयराम, रामेश्वर तथा चालक कांस्टेबल जितेंद्र की सराहनीय भूमिका रही।

यूको बैंक शाखा प्रबंधक जयकिशन सिहरा का साफा व माला पहनाकर सम्मनित किया।

बसवा(दौसा)रामरतन मीणा। यूको बैंक बसवा में 30 जून 2026 मंगलवार को शाखा प्रबंधक जय किंशन सिहरा ने अपना पदभार ग्रहण करने पर राजू पोसवाल सेवरा ढाणी के द्वारा साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विनोद खन्न कृष्ण कांत साहिल घनश्याम शर्मा किशोर सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

वजीरपुर पुलिस की कार्रवाई, 8.30 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

सवाई माधोपुर। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में वजीरपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8.30 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 29 जून को गुल्बिपुरा रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 8.30 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रेख सिंह मीणा (28) पुत्र लखनलाल मीणा, निवासी मीणा बड़ौदा, थाना वजीरपुर के रूप में हुई है। बरामद स्मैक की बाजार कीमत करीब 42 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ थाना वजीरपुर में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच सदर गंगापुर सिटी थानाधिकारी राधारमण गुप्ता कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मादक पदार्थ से संबंधित प्रकरण दर्ज है।

कार्रवाई में थाना अधिकारी राजवीर सिंह उप निरीक्षक व हेड कांस्टेबल पत्तन सिंह, कांस्टेबल राजवीर सिंह, मानवेंद्र तथा तेजवीर की सराहनीय भूमिका रही।

सफलता की कहानी- ग्रामीण सेवा शिविर-2026 में आवासीय पट्टा मिलने से रेणु बाई का सपना हुआ साकार

ैरथल-तिजारा, 30 जून। राज्य सरकार द्वारा आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत लुहादेरा की निवासी रेणु बाई, पत्नी श्री धर्मवीर को शिविर में आवासीय पट्टा जारी किया गया, जिससे उनके परिवार को अपनी भूमि पर कानूनी स्वामित्व का अधिकार प्राप्त हुआ।

रेणु बाई ने बताया कि उन्होंने आवासीय पट्टे के लिए आवेदन किया था। शिविर प्रभारी, प्रशासन एवं ग्राम विकास अधिकारी महेंद्रदेव

के निर्देशन में उनके आवेदन का त्वरित निस्तारण करते हुए उसी दिन आवासीय पट्टा जारी कर दिया गया। इससे उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ और भविष्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करना भी उनके लिए आसान हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आवासीय पट्टा मिलने से उनके परिवार को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिली है। अब उन्हें अपनी भूमि पर वैधानिक अधिकार प्राप्त हो गया है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ भविष्य की योजनाओं का लाभ ले सकेंगी।

रेणु बाई ने ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के सफल आयोजन के लिए राजस्थान सरकार, पंचायती राज विभाग, जिला प्रशासन तथा ग्राम पंचायत लुहादेरा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं वास्तव में आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं।

बाल आधार ऑपरेटर चयन के लिए पारदर्शी लॉटरी आयोजित, तालीम हुसैन का हुआ चयन

रिपोर्टर - मुकेश मीना

खैरथल-तिजारा, 30 जून। जिला खैरथल-तिजारा की ग्राम पंचायत कमलपुर (टपूकड़ा) में बाल आधार ऑपरेटर के चयन के लिए मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय के मीटिंग हॉल में पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की गई। उपनिदेशक सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग अजय यादव ने बताया कि मेरिट सूची में आवेदक श्री तालीम हुसैन एवं श्रीमती अफसाना के समान अंक प्राप्त होने के कारण चयन के लिए लॉटरी प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 जून को दोपहर 12-30

बजे जिला आधार चयन समिति एवं दोनों संबंधित आवेदकों की उपस्थिति में लॉटरी निकाली गई। लॉटरी के माध्यम से श्री तालीम हुसैन का चयन ग्राम पंचायत कमलपुर (टपूकड़ा) के लिए बाल आधार ऑपरेटर के पद पर किया गया। यह संपूर्ण चयन प्रक्रिया जिला आधार चयन समिति के अध्यक्ष अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं सदस्य सचिव उपनिदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की निगरानी में पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न हुई। समिति ने चयन प्रक्रिया के दौरान सभी निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया।

प्रदेश कांग्रेस सचिव पूर्व जिला परिषद जगदीश मीणा के जन्म दिवस 1 जुलाई पर रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

रिपोर्टर - मुकेश मीना

1 जुलाई को होटल चंद्र महल बस स्टैंड पावटा पर ज्ञान दास जी महाराज की सानिध्य में किया जाएगा यह जानकारी देते हुए चंद्र भगवान जन कल्याण संस्थान के सचिव जगदीश सेन पत्रकार ने बताया कि चिकित्सा शिविर में बीडीएम हॉस्पिटल कोटपूतली की चिकित्सा दल द्वारा रक्त संग्रहण का कार्य किया जाएगा एवं हृद्धरूस अस्पताल चंदवाजी के चिकित्सा दल द्वारा क्षेत्र के रोगियों की सेवा की जाएगी एवं आंखों के ऑपरेशन किए जाएंगे पंच कमेटी का गठन किया गया क्षेत्र के सभी समाजसेवी और राजनेताओं पत्रकारों एवं व्यापारियों को व्यक्तिगत जाकर निमंत्रण दिया गया

पत्रकार संघ के राष्ट्रीय ग्रामीण अध्यक्ष जगदीश मीणा का नारायणपुर में स्वागत,ग्रामीण पत्रकारिता मजबूत करने पर जोर

रिपोर्टर - मुकेश मीना

नारायणपुर । न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय ग्रामीण अध्यक्ष जगदीश मीणा के साथ महिला कांग्रेस जयपुर देहात जिलाध्यक्ष सोमवती मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र मीणा, भागीरथ मीणा एवं पत्रकार जगदीश सैन का बुधवार को नारायणपुर आगमन पर कस्बे के पीर संज्यानाथ महाराज मंदिर में स्थानीय पत्रकारों व गणमान्य नागरिकों ने दुपट्टा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।पत्रकार संघ की नारायणपुर इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जगदीश मीणा ने पत्रकार हितों व ग्रामीण पत्रकारिता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के पत्रकारों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा। कार्यक्रम में पत्रकार जगदीश शर्मा, बिन्टू कुमार गुवारिया, सुनील कुमार शर्मा, प्रदीप जांगिड, भारत कुमार शर्मा सहित कनिष्ठ लिपिक संजय शर्मा, हेमराज जांगिड, आकाश पारीक मौजूद रहे।

प्रजापति महासभा समिति भिवाड़ी द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह

जगमाल सिंह प्रजापति

प्रजापति महासभा समिति भिवाड़ी द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह शगुन गार्डन भिवाड़ी में मेहरचंद प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुआ बलबीर सिंह महासचिव प्रजापति महासभा समिति भिवाड़ी ने बताया मुख्य अतिथि के तौर पर रामजी लाल राजोरा उद्योगपति भिवाड़ी एवम सुन्दर लाल प्रजापति पूर्व सभापति नगर पालिका धारूहेड़ा के द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष जी. एल. वर्मा, महासचिव बलबीर सिंह प्रजापति, कोषाध्यक्ष फकल चंद सहित समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई गई इस दौरान मुख्य अतिथि सुन्दर लाल प्रजापति, जिला-अध्यक्ष सतपाल प्रजापति,तिजारा,

पूर्व एसडीएम बनवारी लाल बासनीवाल, कोटपूतली. यशपाल प्रजापति गुडगाव, निक्की देवी प्रजापति जिला महासचिव कांग्रेस

खैरथल, शालिनी सुरेश प्रजापति सरपंच खोरी कलां सरजीत सिंह खोरिया भिवाड़ी सहित सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार

समाज के समक्ष प्रस्तुत किये इस अवसर पर एडवोकेट घनश्याम प्रजापति बहरोड, जगमाल पत्रकार कोटकासिम, दोलत राम प्रजापति उद्योग पति तिजारा, उदयराम प्रजापति आयशर एजेंसी टपूकडा, जैसी सरपंच गौतोली, सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे तथा महासचिव बलबीर सिंह ने समिति का संक्षिप्त विवरण सभी के समक्ष पेश किया व नव निर्वाचित अध्यक्ष जी एल वर्मा ने संगठित व एकता का संदेश देते हुए सभी का आभार जताया. मंच का संचालन कृष्ण कुमार ने किया तथा मेहर चंद ने अपने विचारों के उपरांत सभी को धन्यवाद देते हुए समापन की घोषणा की

नीमराना बहरोड के केशवाना में झमाझम बारिश, मौसम हुआ सुहावना

Jagmal singh neemrana

बहरोड क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र केशवाना (बहरोड) और आसपास के इलाकों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। लंबे समय से पड़ रही उमस और गर्मी से परेशान स्थानीय लोगों और राहगीरों को इस बारिश से बड़ी राहत मिली है।बारिश के चलते दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (ह्वा-48) पर वाहनों की रफ्तार पर थोड़ा ब्रेक जरूर लगा है, लेकिन मौसम काफी खुशनुमा हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस लेन और आसपास के निचले इलाकों में पानी जमा होने से राहगीरों को आवागमन में थोड़ी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है।

अचानक बदले मौसम से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

मीना बड़ौदा में शाम 6 बजे हुई हल्की बारिश, गर्मी से मिली राहत; किसानों में जगी अच्छी बारिश की उमीद

वजीरपुर मंगलवार शाम करीब छः बजे मीना बड़ौदा गांव और आसपास के क्षेत्र में हल्की बारिश होने से मौसम का मिजाज बदल गया। दिनभर तेज धूप और उमस से परेशान लोगों को शाम होते-होते राहत मिली। आसमान में बादल छाने के बाद शुरू हुई हल्की बारिश से वातावरण ठंडा हो गया और तापमान में भी गिरावट महसूस की गई। बारिश के दौरान ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। कई लोग घरों से बाहर निकलकर सुहावने मौसम का आनंद लेते नजर आए, जबकि बच्चों में भी बारिश को लेकर उत्साह देखने को मिला। लंबे समय बाद मौसम में आए इस बदलाव से क्षेत्र का माहौल खुशनुमा हो गया। हल्की बारिश से खेतों में नमी पहुंचने के कारण किसानों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी। किसानों का कहना

है कि खरीफ सीजन की फसलों की बुवाई के लिए यह बारिश शुभ संकेत है। क्षेत्र के किसान मुनेश मीना ताराचंद मीना रिषिकेश आदि किसानों ने बताया कि आने वाले दिनों में अच्छी और लगातार वर्षा होती है, तो बाजरा, मूंग, उड़द, तिल तथा अन्य खरीफ फसलों की बुवाई में तेजी आएगी और फसलों को अच्छा लाभ मिलेगा।

ग्रामीणों का मानना है कि मानसून अब धीरे-धीरे सक्रिय हो रहा है। सभी की निगाहें आगामी दिनों की बारिश पर टिकी हैं। अच्छी वर्षा होने से जल स्रोतों में पानी की आवक बढ़ेगी, पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था बेहतर होगी और किसानों की खेती-किसानी को भी नई गति मिलेगी।

शाम की इस हल्की बारिश ने न केवल मौसम को सुहावना बनाया, बल्कि लोगों के चेहरों पर मुस्कान भी लौटा दी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में अच्छी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा और इस वर्ष कृषि कार्य समय पर पूरे हो सकेंगे।

एटीएम पर संदिग्ध गतिविधि करने वाला युवक पकड़ाया, पुलिस कर रही ठगी के आरोपों की जांच

कार्ड बदलने के आरोप में युवक हिरासत में, पकड़ने के दौरान सुरक्षा कर्मी से धक्का-मुक्की

जायस कस्बे में बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम पर संदिग्ध गतिविधि करने के आरोप में एक युवक को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के दौरान सुरक्षा में तैनात पीआरडी जवान और होमगार्ड के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम पर एक युवक पिछले कुछ दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में देखा जा रहा था। आरोप है कि वह एटीएम से पैसे निकालने आने वाले लोगों के पीछे खड़ा होकर उनका गुप्त अंक देखता था और बाद

में बहाने से उनका कार्ड बदलने का प्रयास करता था। सोमवार दोपहर भी उसके व्यवहार पर मौजूद लोगों को संदेह हुआ। जब लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। शोर सुनकर सुरक्षा में तैनात पीआरडी जवान सुल्तान और होमगार्ड ब्रिज किशोर मौके पर पहुंचे। आरोप है कि युवक ने दोनों के साथ धक्का-मुक्की की और पीआरडी जवान सुल्तान को पकड़कर एटीएम से बाहर सड़क तक घसीट ले गया। इसके बाद आसपास मौजूद दुकानदारों और राहगीरों ने युवक को पकड़ लिया। सूचना पर जायस पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उस पर लगे ठगी के आरोपों में कितनी सच्चाई है और क्या वह पहले भी ऐसी घटनाओं में शामिल रहा है।

राष्ट्रीय सामाजिक प्रभाव पुरस्कार से अमेठी का सम्मान, तीन समाजसेवियों को मिली पहचान

रक्तदान सेवा के लिए घनश्याम शर्मा, श्रीकांत शर्मा और मोहित गुर्जर राष्ट्रीय समान से समानित

रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए अमेठी जनपद के तीन समाजसेवियों को राष्ट्रीय सामाजिक प्रभाव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 28 जून 2026 को लखनऊ स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित 'संवेदना-2 = राष्ट्रीय सामाजिक प्रभाव पुरस्कार समारोह' के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन टीम निफा उत्तर प्रदेश और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ऑफ एक्सीलेंस, इंग्लैंड के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

सम्मान पाने वालों में महापद्मनंद वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, संगठन के अमेठी जिलाध्यक्ष श्रीकांत शर्मा तथा उत्तर प्रदेश पुलिस रक्तदान क्लब के पदाधिकारी और मुसाफिरखाना में तैनात कांस्टेबल मोहित राजकुमार गुर्जर शामिल रहे। तीनों को रक्तदान जागरूकता और जरूरतमंद मरीजों तक समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए किए गए कार्यों के आधार पर यह सम्मान दिया गया।

समारोह में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश सरकार के लघु उद्योग मंत्री वैश्य नेटवर्क गोयल, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजकुमार मित्तल तथा निफा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अश्वनी शेट्टी ने सम्मान प्रदान किया।

कार्यक्रम में बताया गया कि घनश्याम शर्मा, श्रीकांत शर्मा और मोहित राजकुमार गुर्जर ने अमेठी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक रक्तदान शिविरों के आयोजन, युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने और जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। निफा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार दुबे ने कहा कि समाजहित में ऐसे प्रयास लोगों को प्रेरित करते हैं और अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान से जुड़ना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान से अमेठी का गौरव बढ़ा है। घनश्याम शर्मा ने दिलीप कुमार दुबे, आलोक अग्रवाल, अमित गुप्ता, डॉक्टर अंजु सिंह, राजीव गोयल, माधव श्याम त्रिपाठी, परमजीत सिंह जग्गी, सचिन श्रीवास्तव तथा पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

राम मंदिर भूमि प्रकरण की एसआईटी और सिटिंग जज से जांच हो, नार्को टेस्ट भी कराया जाए - किशोरी लाल शर्मा

राम मंदिर से जुड़े कथित भूमि प्रकरण को लेकर कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यह मामला किसी राजनीतिक दल या विपक्ष का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय है। इसलिए इसकी पारदर्शी और व्यापक जांच कराई जानी चाहिए। किशोरी लाल शर्मा ने कहा,यह जनता की आस्था और धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ का मामला है। हम भी भगवान राम को मानने वाले हैं। हम अपने धर्म का पालन करते हैं और दूसरे धर्मों का भी सम्मान करते हैं, यही सच्ची धर्मनिरपेक्षता है। राम मंदिर में समर्पण निधि देने वाले श्रद्धालुओं द्वारा उठाई जा रही नार्को टेस्ट की मांग पर उन्होंने कहा कि संबंधित लोगों का नार्को टेस्ट कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच के लिए और भी कई वैज्ञानिक तरीके उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग किया जा सकता है। सांसद ने मांग की कि पूरे मामले की जांच सिटिंग जज की अध्यक्षता में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराई जाए। समिति में स्वतंत्र विशेषज्ञों को शामिल किया जाए और वह किसी भी सरकारी प्रभाव से मुक्त होकर काम करे। उन्होंने कहा कि जांच का दायरा केवल भारत तक सीमित न रहे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विस्तारित किया जाए, ताकि विदेशों से मिले चंदे और उससे जुड़े सभी पहलुओं की भी निष्पक्ष जांच हो सके। साथ ही पूरे प्रकरण में पर्दे के पीछे सक्रिय लोगों की भूमिका की भी गहन जांच किए जाने की आवश्यकता जताई। इस दौरान पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आए। यदि किसी स्तर पर कोई अनियमितता हुई है तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे देशवासियों का विश्वास बना रहे। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल एवं कांग्रेस प्रवक्ता अनिल सिंह भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हुए कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े किसी भी विषय पर उठे संदेहों का समाधान तथ्यों और निष्पक्ष जांच के माध्यम से होना चाहिए।

भीषण गर्मी के चलते अमेठी में बदला स्कूलों का समय ; कक्षा 1 से 8 तक अब 12:30 बजे तक होंगी पढ़ाई

जनपद में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने परिषदीय एवं अन्य बोर्डों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव किया है। जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।जारी आदेश के अनुसार जनपद के परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई तथा अन्य बोर्डों से संचालित नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी विद्यालय अब प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।बीएसए ने बताया कि बढ़ते तापमान और लू के कारण छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। दोपहर के समय तेज धूप से विद्यार्थियों को राहत मिलेगी और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक उपचार तथा आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। आदेश की अवहेलना करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

राष्ट्रीय सेवा का बड़ा सम्मान-अवनीश सिंह चंदेल को मिला सोशल इम्पैक्ट अवार्ड

भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान के संस्थापक एवं राष्ट्रीय सचिव अवनीश सिंह चंदेल को सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राष्ट्रीय भारतीय फिल्म एवं कला अकादमी द्वारा आयोजित %संवेदना-2% अंतरराष्ट्रीय रक्तदान एवं जनजागरूकता अभियान के तहत बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, राज्यमंत्री वैश्य नटवर गोयल, कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल और डॉ. अश्विनी शेट्टी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अवनीश सिंह चंदेल लंबे समय से रक्तदान जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके निरंतर सेवा कार्यों और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान मिलने की खबर पर प्रयागराज सहित प्रदेश के विभिन्न सामाजिक संगठनों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। लोगों ने इसे समाज सेवा, जनजागरूकता और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित कार्यों की राष्ट्रीय पहचान बताया। अवनीश सिंह चंदेल ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रति और अधिक जिम्मेदारी तथा सेवा भाव से कार्य करने की नई प्रेरणा है।

असलहा दिखाकर जान से मारने की धमकीका आरोप, थाना की लापरवाही से पीड़ित दहशत में, एसपी से गुहार

जिले के जामो थाना क्षेत्र के ग्राम रमगढ़िया मजरा परशुराम पुर में जमीन विवाद ने खतरनाक रूप ले लिया है। पीड़ित राजेश कुमार पुत्र शीतल प्रसाद पूरे अली बक्स परशराम पुर ने आरोप लगाया है कि परिवार के ही कुछ लोगों ने असलहा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद थाना पुलिस की लापरवाही से नाराज पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक अमेठी को शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज करने और न्याय की गुहार लगाई है।पीड़ित ने बताया कि 16 जून 2026 को परिवार की दुरपती पत्नी रामयश ने अपनी पुत्री राजमती पत्नी जगराम को एक बीघा जमीन दान पत्र के जरिए दी थी। इसके बाद 18 जून 2026 को राजमती ने दान में मिली जमीन का बैनामा रज्जब अली पुत्र गनी निवासी रमगढ़िया के नाम कर दिया।राजेश कुमार का आरोप है कि 25 जून 2026 की रात लगभग 8 बजे दुरपती के पौत्र अमरजीत पुत्र राम मिलन, समर बहादुर पुत्र राम मिलन और उनके साथ तीन-चार अज्ञात लोग पीड़ित के घर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने आते ही अवैध असलहा लहराते हुए कहा, तुमने मेरी दादी की जमीन का बैनामा करा दिया है, अब हम तुम्हें जान से खत्म कर देंगे। धमकी देते हुए कहा, एक गोली मारूंगा तो सीधे ऊपर चले जाओगे÷। जाते समय आरोपी यह भी कह गए,तुम लोग पुलिस के सहारे कितने दिन तक बचोगे। घटना के समय पीड़ित ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही आरोपी भाग निकले। इसके बाद पीड़ित ने जामो थाने पहुंचकर तहरीर दी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी मामला दर्ज नहीं किया गया। पीड़ित राजेश कुमार का कहना है कि थाना पुलिस की निष्क्रियता के कारण वह और उसका परिवार लगातार दहशत में जी रहा है। आरोपियों का घर के आसपास आना-जाना लगा रहता है। पीड़ित ने एसपी से मामले में त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और कार्यवाई की मांग की है।

मुहर्रम हमें सत्य, त्याग, इंसानियत और नेक राह पर चलने की प्रेरणा देता है: वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ ख़ान

कर्बला के शहीदों की महान कुर्बानी को याद करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ ख़ान ने कहा कि मुहर्रम इस्लामी वर्ष का पहला महीना है, जो त्याग, बलिदान और सत्य के लिए संघर्ष का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि 10 मुहर्रम को हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों ने दीन की रक्षा के लिए मैदान-ए-कर्बला में अपनी जानें कुर्बान कर दीं और पूरी मानवता को सत्य के लिए संघर्ष का महान संदेश दिया। उन्होंने आगे कहा कि मुहर्रम के पवित्र अवसर पर लोगों को इबादत, रोज़ा, फातिहा और नेक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। साथ ही गरीबों, मजलूमों, जरूरतमंदों और बेवाओं की सहायता कर समाज में इंसानियत और भाईचारे को मजबूत करना चाहिए और नेकी की राह पर चलना चाहिए।श्री खान ने आखिर में कहा कि कर्बला के शहीदों की याद का सबसे अच्छा तरीका यही है कि मुहर्रम कर्बला के शहीदों के महान त्याग, बलिदान और सत्य के लिए संघर्ष का संदेश देता है - इसलिए बुराइयों, दिखाबें और शोर-शराबे से दूर रहें। हम अच्छाई का साथ दें, नेकी की राह पर चलें और अपने जीवन में सत्य, न्याय एवं मानव सेवा के मूल्यों को अपनाएं यही कर्बला की शहादत का सच्चा पैगाम है।

भामाशाह जयंती पर व्यापारी कल्याण दिवस, उत्कृष्ट करदाताओं का हुआ समान

व्यापारियों के योगदान को मिला समान, राष्ट्र निर्माण में भागीदारी पर हुआ मंथन

अमेठी के विकास भवन सभागार में सोमवार को दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों, करदाताओं और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। पूर्व नगर अध्यक्ष अमेठी चन्द्रमा देवी, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह और उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। वक्ताओं ने कहा कि व्यापारी और करदाता देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने दानवीर भामाशाह के जीवन और त्याग का उल्लेख करते हुए बताया कि मेवाड़ के ओसवाल जैन परिवार में जन्मे भामाशाह ने कठिन समय में महाराणा प्रताप को अपनी संचित संपत्ति समर्पित कर उनके संघर्ष को नई शक्ति प्रदान की थी। उनका जीवन आज भी समाज और व्यापार जगत के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद के आर्थिक विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभिन्न श्रेणियों के 10 उत्कृष्ट करदाताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने ईमानदारी से कर भुगतान करने वाले व्यापारियों को राष्ट्र की आर्थिक प्रगति का आधार बताया। कार्यक्रम में रजनीश तिवारी ने देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को उत्साहपूर्ण बनाया। राज्य कर विभाग के उपायुक्त पीयूषकांत श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त नीरज कुमार सिंह, सहायक आयुक्त संदीप कुमार श्रीवास्तव, राज्य कर अधिकारी अंकुर द्विवेदी सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, अधिवक्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जनपद और राष्ट्र के विकास में सक्रिय सहयोग का संकल्प दोहराया गया।

सहायक आचार्य भर्ती के साक्षात्कार 21 जुलाई से होगा प्रारंभ

3155 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 21 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेंगे - अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत सहायक आचार्य के 33 विषयों में कुल 910 पदों पर चयन के लिए साक्षात्कार का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 18 व 19 अप्रैल 2026 को किया गया था, जिसका औपबन्धिक परिणाम 09 जून 2026 को घोषित किया गया था। लिखित परीक्षा में सफल घोषित किए गए कुल 3155 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आगामी 21 जुलाई 2026 से लेकर 13 अगस्त 2026 तक विभिन्न तिथियों में आयोजित किया जाएगा। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 जुलाई 2026 मंगलवार को अर्थशास्त्र, 22 जुलाई बुधवार को वनस्पति विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र, 23 जुलाई गुरुवार को रसायन विज्ञान, 24 जुलाई शुक्रवार को अंग्रेजी, 28 जुलाई मंगलवार को कृषि अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान एवं भूगोल, 29 जुलाई बुधवार को भौतिक विज्ञान एवं मनोविज्ञान, 30 जुलाई गुरुवार को चित्रकला, संस्कृत एवं उर्दू, 31 जुलाई शुक्रवार को प्राचीन इतिहास, सैन्य विज्ञान एवं संगीत गायन के साक्षात्कार होंगे। इसी प्रकार 04 अगस्त मंगलवार को शिक्षाशास्त्र एवं इतिहास, 05 अगस्त बुधवार को पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, संगीत तबला, शारीरिक शिक्षा एवं जंतु विज्ञान, 06 अगस्त गुरुवार को विधि एवं राजनीति विज्ञान, 07 एवं 11 अगस्त को हिंदी तथा 07 अगस्त को गणित, 12 अगस्त बुधवार को एशियन कल्चर, उद्यान विज्ञान, संगीत सितार, समाजशास्त्र एवं सांख्यिकी तथा 13 अगस्त गुरुवार को वाणिज्य एवं गृह विज्ञान विषयों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थी आज 29 जून 2026 से ही आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.upessc.up.gov.in पर जाकर अपना साक्षात्कार पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। डाउनलोड करने हेतु महत्वपूर्ण अनुदेश एवं दिशा-निर्देश वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दिए गए हैं।

आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उक्त साक्षात्कार उच्च न्यायालय में योजित विशेष अपील संख्या-368/2026 हरविंदर सिंह व अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित आदेश 17 अप्रैल 2026 एवं इसके विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका डायरी संख्या-23758/2026 धीरज चंदानी एवं उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित आदेश 25 मई 2026 के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।

साक्ष्य आधारित शिक्षा सुधारों को मिलेगी नई दिशा, राज्य स्तरीय सेमिनार में जारी होगी रिपोर्ट

शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने पर मंथन आज, विद्यालयों तक पहुंचेंगी नई कार्ययोजनाएं

उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग और भाषा एवं अधिगम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राज्य स्तरीय संवाद एवं सेमिनार आयोजित होगा। कार्यक्रम का विषय 'नीति से व्यवहार तक संवाद' रखा गया है। इसका उद्देश्य साक्ष्य आधारित निष्कर्षों को विद्यालयों के शिक्षण कार्य में लागू कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। सेमिनार की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा करेंगे। इसमें शिक्षा नीति निर्माताओं, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, शैक्षिक विशेषज्ञों, राज्य संदर्भ समूह, शैक्षणिक संसाधन व्यक्तियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, शिक्षकों तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम में शिक्षण पद्धतियों, अधिगम सुधार और भविष्य की शैक्षणिक रणनीतियों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिक्षण एवं अधिगम व्यवहार सर्वेक्षण उत्तर प्रदेश राज्य रिपोर्ट-2025 का विमोचन रहेगा। रिपोर्ट में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता से जुड़े राज्यव्यापी अध्ययन के निष्कर्ष, प्रमुख सुझाव और अनुभव प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनके आधार पर विद्यालयों की शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा तय होगी। सेमिनार में प्रभावी शिक्षण के दस प्रमुख अभ्यासों, अधिगम अंतर कम करने की रणनीतियों, मूल्यांकन आधारित सुधारों तथा साक्ष्य आधारित निर्णय प्रणाली पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अपने नवाचारी अनुभव साझा करेंगे। राज्य संदर्भ समूह, शैक्षणिक संसाधन व्यक्ति और खंड शिक्षा अधिकारियों के अनुभव भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक हरिओम शर्मा के लिए श्रीराम ऑफसेट 6, शॉपिंग सेन्टर, माधोविलास के सामने, जोरावर सिंह गेट के पास, आमेर रोड, जयपुर - 302002 (राज.) से मुद्रित, प्लाट नम्बर 10 माँ भवानी विस्तार नगर , विजयपुरा, आगरा रोड़ पुरानी चुंगी जयपुर राज. 302031 से प्रकाशित । संपादक - हरिओम शर्मा, मो. 9352862449,8058314720, Mail- brahmoskanayasavera@gmail.com